हिंदी दिवस पर निदेशक का

' राजभाषा संदेश '

प्रिय साथियों,

विविधता में एकता वाले इस विशाल देश को एकता के सूत्र में रखने में भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट विभिन्न भाषाओं के साथ-साथ हिंदी की महवपूर्ण भूमिका रही है । भारत की अधिकांश जनता हिंदी बोलती और अच्छी तरह समझती है । हमारे संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी भाषा को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था । तभी से 14 सितम्बर, हर वर्ष हिंदी दिवस के रूप में मानाया जाता है । इस दिवस का महत्व हर व्यक्ति को उसके कर्तव्य का बोध कराना है । अत: हम इसे औपचारिकता मात्र नहीं समझना चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखण्डता के लिए इसे अपने कर्तव्य-बोध की अनुभूति के रूप में ग्रहण करना चाहिए ।

अत: मैं, हिंदी दिवस पर आप सभी से अनुरोध करता हूं कि राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए सरकार ने जो निर्णय लिए है उनका कड़ाई से पालन किया जाएं । अकसर देखा गया है कि हिंदी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए अधिकतर प्रयास निचले स्तर पर ही होते हैं, यद्यपि संस्थान में हिंदी का प्रयोग बढ़ा है, परन्तु लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभी काफी कुछ किया जाना शेष है । मैं, चाहूंगा कि इस दिशा में विभाग प्रभारी स्वयं हिंदी में कार्य करके अपने अधीनस्थ स्टाफ को प्रेरित करें। मैं विभाग/प्रयोगशाला प्रभारियों से अधिनियम व नियमों की जानकारी लेने का भी अनुरोध करूंगा ताकि वे इनका अनुपालन अपने विभाग/प्रयोगशाला में सुनिश्चित करा सकें ।

साथियों, पिछले कुछ दशकों में विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में अत्यधिक प्रगति हुई है जिसके परिणामस्वरूप अब कम्प्यूटरों, मोबाइल और अन्य इलेक्टॉनिक उपकरणों पर हिंदी में काम करने की सुविधा उपलब्ध हो गई है । अब हिंदी में काम करना बहुत सरल हो गया है । आज मनोरंजन, मीडिया और मार्केट के क्षेत्र में हिंदी छाई हुई है । वृत्तचित्रों, नाटकों, फिल्मों, गानों व विज्ञापनों के भीतर बाहर रह कर हिंदी सांस्कृतिक संवाहिका का कार्य कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां भी अपने उत्पादकों की बिक्री के लिए हिंदी विज्ञापनों का सहारा ले रहीं हैं । इस तरह हिंदी का एक ग्लोबल संस्करण तैयार हो रहा है। हिंदी, आज भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी इसकी ख्याति बढ़ रही " हिंदी में विश्व भाषा बनने की सभी आवश्य

हमारा संस्थान एक शोध संस्थान है, जिसमें हम निरंतर नए-नए शोध करने में लगे हुए हैं । कुछ क्षेत्रों में हमने सफलताएं भी पाई है और कुछ में प्रयासरत हैं । सरकार ने हाल ही में नई शिक्षा नीति की घोषणा की है। जिसमें बच्चों को शिक्षा देने का माध्यम, उनकी मातृ भाषा पर जोर दिया है। हमारे देश में 80 प्रतिशत जनता हिंदी बोलती व समझती है । अत: हमें अपनी शोध की उपलब्धियों को जनता की भाषा में अर्थात हिंदी भाषा में बतलाना होगा ताकि सभी समझ सकें और उसका लाभ उठा सकें, तभी हम सही मायने में देश: सेवा परमोधर्मस्य की परिकल्पना को साकार कर पाएंगें।

हमारा लक्ष्य एवं प्रयास दोनों ही राजभाषा हिंदी में पूर्णत: सरकारी काम-काज करना है । इसके लिए आप सभी का सौहार्दपूर्ण सहयोग, हमारे प्रयासों को सफल करेगा। आइएं, हिंदी दिवस के अवसर पर, आज हम सब यह संकल्प लें कि हम अपना अधिक से अधिक सरकारी कार्य हिंदी में निपटाएगें तथा राजभाषा के रूप में हिंदी और राष्ट्र का गौरव बढाएगें।

दिनांक :14.09.2020

नई दिल्ली

(डॉ. अमूल्य कुमार पंडा)

निदेशक

राष्ट्रीय प्रतिरक्षाविज्ञान संस्थान